

करुणा बरसाने आई, मर्क गोटेगाँव में
मुझको बिठाना मैया करुणा की हाँव में
अपनी ही द्वाया में बिठाये रखना मर्क

मेरी मर्क उम्बे मर्क - उम्बे मर्क बोलोना
बोलोना भूलोना - भूलोना भूलोना

त्याग संसार मैंने, तेरी लगन में
रहता हूँ खोया हुआ तेरे भजन में
तुम्ही हो गुरु तुम्हीं से कहानी सफल करें
खुद को लगाया मैंने, भक्ति के हाँव में
अपनी ही द्वाया में बिठाये रखना.
मेरी मर्क उम्बे मर्क - उम्बे मर्क बोलोना
बोलोना भूलोना

करुणा बरसाने - - - -

जीवन सफल हो मेरा, इतना ज्ञान दो
मस्तक झुके न कभी, ऐसा वरदान दो
तुम्हीं हो गुरु तुम्हीं से कहानी सफल करें-
निकले दम हँसते-हँसते तेरे पाँव में
अपनी ही द्वाया में बिठाये रखना.

मेरी मर्क ^{ssss} उम्बे मर्क - उम्बे मर्क ^{ssss} बोलो ना ^{sss}
 बोलो ना ^{ssssss} भूलो ना.

करुणा बरसाने-----

डूबनेन पाऊं, दे दो अपना सहारा
 मैं गम का मारा, मैया हूँ बे सहारा
 तुम्हीं हो गुरु ^{sss} तुम्हीं से कहानी सफ़ठ करें
 आ जाओ बन के माँझी "श्री बाबा श्री" की नाँव में
 अपनी ही हाया में बिठाये रखना ^{sss} मर्क
 मेरी मर्क ^{ssss} उम्बे मर्क
 उम्बे मर्क ^{ssss} बोलो ना ^{sss}
 बोलो ना ^{ssss} भूलो ना ^{sss}

करुणा बरसाने-----